नईदुनिया

पीओके में बगावत तेज, प्रदर्शनकारियों ने की भारत से मदद की अपील, सीमा बदलने तक की मांग कर डाली

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। सरकार के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शनों और बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियों के बाद क्षेत्र में विद्रोह जैसी स्थिति बन गई है। आंदोलनकारी संगठन जाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के नेताओं ने अब खुले तौर पर पाकिस्तान प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और कई जगहों पर लोगों ने भारत से भी समर्थन की अपील की है। जानकारी के अनुसार, हाल ही में 600 से अधिक सामाजिक कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी और प्रमुख नेता शौकत नवाज मीर की नजरबंदी के बाद पूरे क्षेत्र में असंतोष और बढ़ गया है। इसी बीच आंदोलन से जुड़े नेताओं के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें वे पाकिस्तान सरकार की नीतियों के खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया देते नजर आ रहे हैं। एक वायरल वीडियो में जेएएसी के नेता सरदार अमन खान ने सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों से मदद की अपील की है। उन्होंने कहा कि पीओके में खाद्य सामग्री और दवाओं की भारी कमी हो गई है और स्थानीय आबादी गंभीर संकट का सामना कर रही है। उन्होंने पुंछ, राजौरी, मेंढर और डोडा जैसे क्षेत्रों के लोगों से सहायता की अपील करते हुए कहा कि मौजूदा स्थिति में लोग बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इसी दौरान एक अन्य वीडियो में नेता ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने भीड़ से पूछा कि क्या उन्हें आगे बढ़ना चाहिए, जिस पर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों ने समर्थन में नारे लगाए। आंदोलनकारियों का कहना है कि वे अब केवल शांतिपूर्ण तरीके से नहीं, बल्कि अपने अधिकारों के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। नेताओं ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान प्रशासन द्वारा प्रदर्शनकारियों पर दमनात्मक कार्रवाई की जा रही है और शांतिपूर्ण विरोध को दबाने के लिए बल प्रयोग किया जा रहा है। उनका कहना है कि लंबे समय से क्षेत्र में खाद्य संकट, दवाओं की कमी और संचार सेवाओं की बाधाएं बनी हुई हैं, जिससे आम लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। आंदोलनकारी नेताओं ने यह भी कहा कि यदि उनकी मांगों को नजरअंदाज किया गया और दमन जारी रहा, तो स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है। उन्होंने पूरे क्षेत्र के लोगों से एकजुट होकर अपने अधिकारों की लड़ाई में शामिल होने की अपील की है। फिलहाल, क्षेत्र में तनाव चरम पर है और सुरक्षा बलों की भारी तैनाती की गई है। प्रशासन की ओर से स्थिति पर नियंत्रण बनाए रखने की कोशिशें जारी हैं, लेकिन विरोध प्रदर्शन लगातार फैलते जा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

72 लोगों की मौत के मामले में आरोपी बना 11 साल का मासूम, कराची अग्निकांड में हुआ था भारी जान-माल का नुकसान

कराची। पाकिस्तान के कराची में हुए भीषण अग्निकांड के मामले ने सभी को चौंका दिया है। पुलिस द्वारा अदालत में दाखिल किए गए आरोपपत्र में 11 वर्षीय बच्चे को मुख्य आरोपी बनाया गया है। जनवरी में हुए इस हादसे में 72 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि सैकड़ों दुकानें जलकर पूरी तरह नष्ट हो गई थीं। अब यह मामला न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे बढ़ रहा है।घटना 17 जनवरी को कराची के सदर इलाके में स्थित एम.ए. जिन्ना रोड पर स्थित गुल प्लाजा शापिंग काम्प्लेक्स में हुई थी। आग इतनी भीषण थी कि इसे पूरी तरह बुझाने में दमकल विभाग और बचाव दलों को करीब एक सप्ताह का समय लग गया। इस दौरान पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मची रही और भारी आर्थिक नुकसान हुआ। अदालत में दाखिल किए गए आरोपपत्र में 11 वर्षीय बच्चे के साथ उसके पिता और गुल प्लाजा प्रबंधन समिति के चार सदस्यों को भी आरोपी बनाया गया है। प्रबंधन से जुड़े जिन लोगों को नामजद किया गया है, उनमें तनवीर पास्ता, अमर इस्माइल, मोहम्मद रमजान और मोहम्मद अमीन शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि घटना के बाद ये सभी आरोपी मौके से फरार हो गए थे और अभी तक उनकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, जिस दिन हादसा हुआ, उस समय बच्चे के पिता दुकान पर मौजूद नहीं थे और बच्चा अकेले दुकान संभाल रहा था। आरोप है कि बच्चा माचिस की तीलियों से खेल रहा था, जिससे निकली चिंगारी ने आग को भड़का दिया और देखते ही देखते पूरी इमारत आग की चपेट में आ गई।

अंटार्कटिका में मिला पहला डायनासोर की पूंछ का जीवाश्म

लंदन। अंटार्कटिका के बर्फीले महाद्वीप में वैज्ञानिकों को पहली बार डायनासोर की पूंछ की हड्डी मिली है। इसमें हैरतअंगेज बात ये है कि यह हड्डी 40 साल तक ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वे (बीएएस) के संग्रह में एक दराज में पड़ी रही। वैज्ञानिकों ने पहले इसे एक साधारण समुद्री जीव का अवशेष मान लिया था। अब यह पूंछ पृथ्वी के प्राचीन रहस्यों को उजागर करने में मदद करेगी। यह जीवाश्म वर्ष 1985 में अंटार्कटिका के जेम्स रास द्वीप से मिला था। उस समय के वैज्ञानिक इस हड्डी की वास्तविक पहचान नहीं कर पाए थे। चूंकि अंटार्कटिका में डायनासोर के जीवाश्म बेहद दुर्लभ हैं, इसलिए उस वक्त इसे किसी समुद्री जीव की हड्डी मान लिया गया और ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वे के विशाल संग्रह में रख दिया गया। इसके बाद यह सालों तक वहीं गुमनाम पड़ा रहा। हाल ही में, ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वे के संग्रह प्रबंधक डा. मार्क इवांस पुराने नमूनों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान उनकी नज़र इस विशेष जीवाश्म पर पड़ी। करीब से देखने पर उन्हें संदेह हुआ कि यह किसी समुद्री जीव की हड्डी नहीं, बल्कि एक डायनासोर की हड्डी हो सकती है। उनके इस शुरुआती अनुमान के बाद विशेषज्ञों ने इस पर गहन शोध और जांच शुरू की। लंबे समय तक चली इस पड़ताल के बाद यह पुष्टि हुई कि यह हड्डी वास्तव में टिटानोसार नामक एक विशालकाय डायनासोर की पूंछ का हिस्सा है। टिटानोसार उन सबसे बड़े डायनासोरों में से एक थे जो कभी हमारी पृथ्वी पर विचरण करते थे।

सुपर टाइफून बावी का खतराः 280 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

वाशिंगटन। प्रशांत महासागर क्षेत्र में स्थित अमेरिकी क्षेत्र गुआम और उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह पर सुपर टाइफून बावी का गंभीर खतरा मंडरा रहा है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार यह वर्ष 2026 का दूसरा अत्यंत शक्तिशाली तूफान है, जो क्षेत्र में व्यापक तबाही मचा सकता है। फिलहाल यह तूफान तेजी से टिनियन और रोता द्वीपों की ओर बढ़ रहा है। इसकी अधिकतम हवा की रफ्तार लगभग 280 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई है, जिसके कारण इसे सैफिर-सिम्पसन पैमाने पर सबसे खतरनाक कैटेगरी-5 में रखा गया है। मौसम एजेंसियों के पूर्वानुमान के अनुसार, सुपर टाइफून का केंद्र टिनियन और रोता द्वीपों के बीच से गुजर सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि समुद्र में अनुकूल परिस्थितियों के कारण तूफान की तीव्रता तट से टकराने से पहले और बढ़ सकती है। इसके प्रभाव से तेज हवाओं के साथ ऊंची समुद्री लहरें, भारी वर्षा और व्यापक नुकसान की आशंका जताई गई है। प्रशासन ने लोगों से सुरक्षित स्थानों पर रहने और अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की अपील की है। उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह के प्रशासन ने नागरिकों से सभी सुरक्षा निर्देशों का पालन करने और तूफान के दौरान मजबूत इमारतों या निर्धारित आश्रय स्थलों में रहने को कहा है।

यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस का बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला

कीव

रूस ने बैलिस्टिक मिसाइलों से यूक्रेन की राजधानी कीव पर आधी रात बाद हमला किया। रूसी हमले तड़के तक जारी रहे। देश की वायुसेना ने यह जानकारी दी। यह हमला तुर्किये में होने वाले उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) शिखर सम्मेलन से ठीक पहले हुआ। इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हिस्सा लेने की संभावना है। रूस ने एक हफ्ते में यूक्रेन पर 2,200 ड्रोन और 1,730 गाइडेड बमों से हमला किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, राजधानी कीव के केंद्र में तड़के शक्तिशाली विस्फोट हुए। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने टेलीग्राम पर कहा कि रूस ने ड्रोन और क्रूज मिसाइलों से हमला किया है। हमले में कम से कम तीन लोग घायल हुए हैं और राजधानी के कम से कम दो इलाकों में आग लगने या मलबे से नुकसान की खबर है। क्लिट्स्को ने कहा कि पोडिल्स्की जिले में एक बहुमंजिला रिहायशी इमारत बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। उसमें लोग फंसे हुए हैं।

हमले से कुछ देर पहले ही पूरे शहर में हवाई हमले के सायरन बजाए गए। इससे पहले रविवार को दिन में राष्ट्रपति जेलेंस्की ने चेतावनी जारी की थी कि खुफिया जानकारी से संकेत मिलता है कि रूस नए बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। पिछले गुरुवार को रूस ने कीव पर जबरदस्त हमला किया था। इस हमले में कम से कम 30 लोग मारे गए थे। तुर्किये के अंकारा में मंगलवार को शुरू होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन में रूस-यूक्रेन युद्ध मुख्य मुद्दा होगा।

रिपोर्ट के अनुसार, क्रेमलिन के दिशा-निर्देश पर रूसी सेना ने यूक्रेन के पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र के ज्यादातर हिस्से पर कब्जा करने की कोशिशें तेज कर दी हैं। यूक्रेन के शहरों को मास्को के ड्रोन और मिसाइलों से लगभग हर रात हमलों का सामना करना पड़ रहा है। रूस के विदेश मंत्रालय के अनुसार, रविवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ट्रंप से लगभग 90 मिनट तक फोन पर बातचीत की। बातचीत में ट्रंप ने फिर यूक्रेन युद्ध को खत्म करने में मदद की पेशकश की।

कीव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख टिमुर तकाचेंको ने बताया कि शहर के पोडिल्स्की जिले में एक रिहायशी इमारत की 7वीं और 9वीं मंजिल के बीच का हिस्सा आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है। डार्नित्स्की जिले में तीन अन्य अपार्टमेंट इमारतों को निशाना बनाया गया है। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि कीव शहर की सीमा के भीतर कम से कम सात लोग घायल हुए। क्षेत्रीय गवर्नर मायकोला कलाशनिक ने बताया कि राजधानी के ठीक बाहर कीव ओब्लास्ट में स्थित बुचा में भी कम से कम तीन लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय समयानुसार रात 1:40 बजे के आसपास कई धमाके हुए। फिर रात 2:10 बजे और 3:15 बजे हमलों का नया दौर शुरू हुआ। धमाकों से घबराए कीव के हजारों निवासी पनाह लेने के लिए भूमिगत मेट्रो स्टेशनों की ओर भागे। उधर, मिसाइल हमलों के जवाब में, पोलैंड की वायुसेना ने कहा कि उसने देश के अपने हवाई क्षेत्र की सुरक्षा के लिए एहतियात के तौर पर लड़ाकू विमान तैनात किए। जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा, यह पुतिन का तरीका है। अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस के ठीक बाद और अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन से पहले रूस तबाही मचाना चाहता है। इस बीच, यूक्रेन ने भी रूसी क्षेत्र के भीतर तेल रिफाइनरियों, बंदरगाहों और सैन्य कारखानों जैसे अहम बुनियादी ढांचों को निशाना बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन हमले बढ़ा दिए हैं। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन को सिर्फ एक हफ्ते में लगभग रूसे के 2,200 ड्रोन, 1,730 से ज्यादा गाइडेड एरियल बम और 106 मिसाइलों का सामना करना पड़ा। जेलेंस्की ने माना कि यूक्रेन के पास एंटी-बैलिस्टिक क्षमता की भारी कमी है।

सीरिया में अंतरिम संसद का शुरू होने वाला पहला सत्र स्थगित

दमिश्क (सीरिया)

सीरिया में बशर अल-असद के दशकों पुराने शासन के पतन के बाद गठित अंतरिम संसद (पीपुल्स असेंबली) का शुरू होने वाला पहला सत्र स्थगित कर दिया गया। सीरिया में इस समय अंतरिम सरकार है। इसकी कमान पूर्व विद्रोही नेता अहमद अल-शारा संभाल रहे हैं। उन्होंने दिसंबर 2024 में बशर अल-असद के पांच दशक पुराने शासन को उखाड़ फेंकने के बाद सत्ता संभाली है। रिपोर्ट के अनुसार, सीरिया की नई संसद में कुल 210 सीटें हैं। संसद की 140 सीटों पर अंतरिम निर्वाचन मंडलों के माध्यम से अप्रत्यक्ष चुनाव कराए गए।

शेष 70 सदस्यों को अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शारा ने सीधे नियुक्त किया। इन 70 सदस्यों में 15 महिलाएं भी शामिल हैं। संसद में महिला सांसदों की कुल संख्या 21 है। नई संसद में विविध समुदायों को जगह देने की कोशिश की गई है। इनमें कुर्द समुदाय के लिए कुल 12 सीटें शामिल हैं। संसद की पहली बैठक के लिए 6 जुलाई 2026 (सोमवार) की तारीख तय की गई थी। चुनाव अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य कारणों के कारण संसद के इस पहले सत्र को फिलहाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। नई तारीख की घोषणा बाद में की जाएगी। सीरिया में दक्षिण के द्रुज-बहुल सुवैदा प्रांत में तनाव और सुरक्षा स्थितियों के कारण वहां के प्रतिनिधियों का चुनाव अभी नहीं हो पाया है। इसलिए तीन सीटें अभी भी खाली हैं। अंतरिम संसद का कार्यकाल 30 महीने (ढाई साल) का निर्धारित किया गया है।

अंतरिम संसद का मुख्य काम देश के लिए नया चुनाव कानून तैयार करना, देश के सामान्य बजट को मंजूरी देना और अगले लोकतांत्रिक चुनाव के लिए जमीन तैयार करना है। यह संसद तब तक विधायी शक्तियों का प्रयोग करेगी जब तक देश में स्थाई संविधान लागू नहीं हो जाता।

यूरोप में 43 डिग्री बनाम चीन में 50 डिग्री, एक मोम सा पिघला पर दूसरा क्यों नहीं

लंदन। दुनिया वर्तमान में भीषण गर्मी की चपेट में है, जहां यूरोप और उत्तरी अमेरिका 40 से 45 डिग्री सेल्सियस के तापमान से जूझ रहे हैं, वहीं चीन के कुछ हिस्सों में पारा 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। हालांकि, जहां यूरोप में गर्मी से हाहाकार मचा है और जनजीवन अस्त-व्यस्त हुआ है, वहीं चीन आश्चर्यजनक रूप से चुनौती का सामना कर रहा है, और इसका श्रेय एक अनोखी रूफटाप रेन तकनीक को दे रहा है। यूरोप में अस्पतालों में हीट स्ट्रोक के मरीज बढ़ रहे हैं और एयर कंडीशनर के लगातार चलने से बिजली व्यवस्था पर भारी दबाव है। इसके विपरीत, चीन के शांक्सी से लेकर शिनजियांग जैसे क्षेत्र हर साल जून से अगस्त तक 44 से 50 डिग्री सेल्सियस तक का तापमान सहते हैं, फिर भी यहां लू से होने वाली मौतों की संख्या यूरोप जितनी नहीं है। इसका प्रमुख कारण चीन के उत्तरी शांक्सी प्रांत के युन्चेंग जैसे शहरों में ऊंची इमारतों पर स्थापित खास रूफटाप रेन सिस्टम है। यह प्रणाली छत से पानी की इतनी महीन फुहार छोड़ती है कि यह बारिश की तरह नहीं गिरती, बल्कि एक सूक्ष्म धुंध बनकर गर्म हवा में फैल जाती है। अनोखी तकनीक का वैज्ञानिक आधार इवैपोरेटिव कूलिंग यानी वाष्पीकरण के जरिये ठंडक पैदा करना है। जब पानी की ये बेहद छोटी बूंदें गर्म हवा के संपर्क में आती हैं, तब वे तुरंत भाप बनकर वातावरण की गर्मी को सोख लेती हैं, जिससे आसपास का तापमान कम होता है।

बार-बार सर्जरी करवाकर बिल्कुल बार्बी डाल बन गया लडका

लंदन

25 साल के युवक मिशेल जोंस ने अपनी लुक को पूरी तरह से बदलने के लिए कई सर्जरी करवाई हैं और खुद को एक एलियन बार्बी डाल जैसा बना लिया है। यूके के केंट शहर में रहने वाला मिशेल जोंस की तस्वीरें इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। बार्बी डाल्स के दीवाने मिशेल ने अब तक इस रूपांतरण पर करीब 40 लाख रुपये खर्च कर दिए हैं।

मिशेल पेशे से हेयरड्रेसर हैं, और उनका लुक अब बिल्कुल बार्बी डाल जैसा हो गया है जिसमें भारी मेकअप, पलकों पर एक साथ 4-6 जोड़ी झूठी पलकें, हमेशा गुलाबी रंग के कपड़े और एक परफेक्ट चेहरा शामिल है। वे कहते हैं कि सर्जरी से वे अपनी परफेक्शन की कल्पना को हकीकत में बदल रहे हैं।

मिशेल ने बताया कि उन्हें सर्जरी का शौक है, क्योंकि वे खुद को कस्टमाइज करना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा, मेरा अपना आइडिया आफ परफेक्शन है। लोग सोचते हैं कि सर्जरी सिर्फ असुरक्षा की वजह से करवाई जाती है, लेकिन मेरे लिए यह खुद को बेहतर बनाने का तरीका है।

मिशेल अपनी इस यात्रा में रुकना नहीं चाहते और अब 30 साल की उम्र से पहले फेसलिफ्ट भी करवाने वाले हैं। उनका कहना है कि सर्जरी ने उनकी जिंदगी बदल दी है और वे कभी भी अपने लुक को लेकर संतुष्ट नहीं होते, बल्कि हमेशा खुद को और बेहतर बनाने की तलाश में रहते हैं। मिशेल की तस्वीरें वायरल होते ही लोग हैरान हैं और सोशल मीडिया पर उनकी खूब चर्चा हो रही है। कुछ लोग उनकी रचनात्मकता और आत्मविश्वास की तारीफ कर रहे हैं, तो कुछ यह कहते हुए अपनी चिंता व्यक्त कर रहे हैं कि ये तो शरीर को बर्बाद कर रहे हैं।

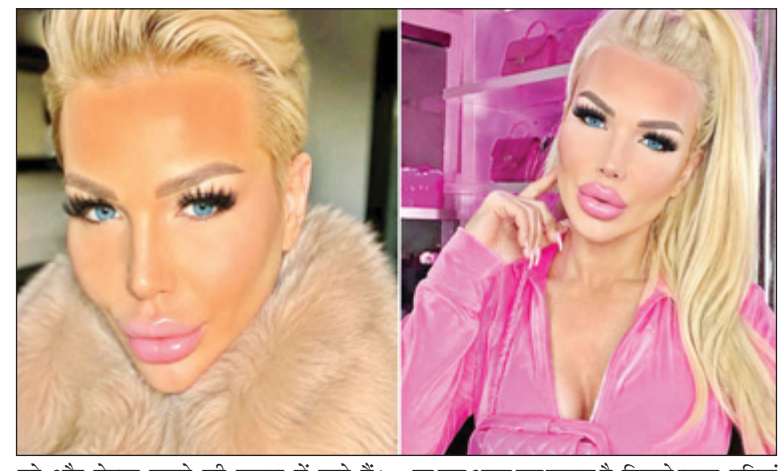

कई यूजर्स ने लिखा - बार्बी डाल जैसा लुक, 40 लाख खर्च शाकिंग, सर्जरी का नशा। वहीं, डाक्टर्स इतनी सर्जरी के जोखिमों के प्रति चेतावनी देते हुए कहते हैं कि बार-बार सर्जरी से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है, जिससे त्वचा, हड्डियां और मांसपेशियां गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो सकती हैं, लेकिन मिशेल अपनी इस रूपांतरण यात्रा को जारी रखे हुए हैं। यह कहानी दिखाती है कि आजकल लोग अपनी पहचान और लुक को बदलने के लिए कितनी हद तक जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर परफेक्ट लुक का दबाव कई युवाओं को सर्जरी की तरफ धकेल रहा है। मिशेल कहते हैं कि वे खुश हैं और अपनी परफेक्शन की तलाश में हैं। उनका कहना है कि आप हमेशा खुद को बेहतर बना सकते हैं।

वेंस के दावे को नेतन्याहू ने किया खारिज बोले- भारत भी खास दोस्त

तेल अवीव

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के उस बयान को खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि दुनिया में इजरायल का सबसे बड़ा और लगभग एकमात्र मजबूत सहयोगी केवल अमेरिका है। नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि इजरायल के संबंध केवल अमेरिका तक सीमित नहीं हैं, बल्कि भारत सहित कई अन्य देशों के साथ भी उसके मजबूत और भरोसेमंद रिश्ते हैं।

एक अमेरिकी टीवी कार्यक्रम में बातचीत के दौरान नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल को भारत जैसे बड़े लोकतंत्र से भी महत्वपूर्ण समर्थन मिलता है। उन्होंने कहा कि भारत में करीब 1.4 अरब लोग रहते हैं और वहां से इजरायल को व्यापक स्तर पर सहयोग और समर्थन प्राप्त होता है। उन्होंने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इजरायल के कई मित्र देश हैं, जो अलग-अलग क्षेत्रों में उसके साथ सहयोग कर रहे हैं। नेतन्याहू ने यह दावा भी खारिज किया कि इजरायल के पास अन्य कोई प्रभावशाली साझेदार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कई देशों के साथ इजरायल के मजबूत संबंध हैं, चाहे वह तकनीकी सहयोग हो या रक्षा क्षेत्र में साझेदारी। उन्होंने विशेष रूप से इजरायल की साइबर सुरक्षा और उन्नत तकनीक का उल्लेख करते हुए कहा कि कई देश इजरायल की विशेषज्ञता का लाभ लेना चाहते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि कई अंतरराष्ट्रीय नेता व्यक्तिगत रूप से उनसे संपर्क करते हैं और इजरायल के साथ सहयोग बढ़ाने की इच्छा जताते हैं। उनके अनुसार, कुछ देश भले ही सार्वजनिक रूप से अलग रुख दिखाते हों, लेकिन निजी स्तर पर वे इजरायल की तकनीकी क्षमता और सैन्य अनुभव से सीखना चाहते हैं। विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में इजरायल की स्थिति बेहद मजबूत मानी जाती है। इस बीच, नेतन्याहू के कार्यालय ने जानकारी दी है कि वह आगामी 13 जुलाई को वाशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात कर सकते हैं। इस बैठक में ईरान से जुड़े मुद्दों, क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति और सऊदी अरब के साथ संबंधों को मजबूत करने जैसे विषयों पर चर्चा होने की संभावना है। बताया गया है कि हाल ही में दोनों नेताओं के बीच फोन पर हुई बातचीत के दौरान इस मुलाकात पर सहमति बनी थी। इस पूरे घटनाक्रम के बीच नेतन्याहू का यह बयान महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने इजरायल के अंतरराष्ट्रीय संबंधों को बहुआयामी बताते हुए भारत की भूमिका को भी अहम बताया है।